भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2503

जिसका उत्तर सोमवार, 15 दिसम्बर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया गया

बैंकों का एनपीए

2503. श्री सेल्वाराज वी.:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि बैंकिंग प्रणाली की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) सितम्बर 2024 में 2.6 प्रतिशत से घटकर मार्च 2025 में 2.3 प्रतिशत हो गई और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ऋण को बट्टे खाते में डाल दिया गया जो वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर एनपीए का 31.8 प्रतिशत हो गया; और

(ख) यदि हां, तो मार्च 2025 में एनपीए की कुल राशि कितनी है और वर्ष 2024-25 में कितनी राशि बट्टे खाते में डाली गई?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का सकल एनपीए अनुपात दिनांक 30.9.2024 के 2.5% से घटकर दिनांक 31.3.2025 तक 2.2% हो गया है।

एनपीए में कमी वसूली, उन्नयन और बट्टे खाते डालने से होती है। आरबीआई के दिशानिर्देशों और बैंकों के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, बैंक चार साल पूरे होने पर एनपीए को बट्टे खाते में डाल देते हैं, जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, वे एनपीए भी शामिल हैं जिनके संबंध में पूर्ण प्रावधानिकरण किया जा चुका है। इस तरह के बट्टे खाते डालने से उधारकर्ताओं की देनदारियों को माफ नहीं किया जाता है और इसलिए, इससे उधारकर्ता को कोई लाभ नहीं होता है। उधारकर्ता पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहते हैं और बैंक इन खातों में शुरू की गई वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं। इसके अलावा, बट्टे खाते डाले गए ऋणों की वसूली एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्र के अंतर्गत उधारकर्ताओं के विरुद्ध शुरू की गई वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं। एससीबी ने पिछले तीन वित्तीय वर्ष (एफवाई) और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिनांक 30.9.2025 तक बट्टे खाते में डाले गए एनपीए में कुल 1,68,306 करोड़ रुपये की वसूली की है। इसके अलावा, एससीबी में बट्टे खाते में डाले गए ऋणों में वसूली दर (अर्थात वित्तीय वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाले गए ऋणों के प्रतिशत के रूप में वित्तीय वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाले गए ऋणों में वसूली) वित्तीय वर्ष 2017-18 में 7.97 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 27.04 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 34.77 प्रतिशत हो गई है।

(ख): दिनांक 31.3.2025 की स्थिति के अनुसार एससीबी का सकल एनपीए 4,31,607 करोड़ रुपये था, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उनके द्वारा 1,57,029 करोड़ रुपये की राशि बट्टे खाते डाली गई थी।

*****